		(र) आधारभूत संरचना – इसके अन्तर्गत उपलब्ध करायी गई राशि का मुख्य उद्देश्य आवश्यक आर्थिक उत्थान हेतु सम्बन्ध बनाना (Linkage) है। इसके अन्तर्गत रेहडी बाजार का विकास उत्पादन बिक्री केन्द्र निर्माण, शहरी गरीबो के छोटे बाजारों में मूलभूत सुविधाओं का विकास, तैयार की गई वस्तुओं के ट्रेडमार्क हेतु व्यय, व बिक्री के लिए प्रचार–प्रसार तथा पैकिंग हेतु डिजाईनिंग व्यय का प्रावधान है।
		2 शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम यह कार्यक्रम गरीबी रेखा से नीचे रह रहे लाभार्थियों को रोजगार कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। इसके अर्न्तगत सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उपयोगी लोक सम्पति के निर्माण में इनकी मजदूरी का उपयोग करने के संबंध में है। यह सिर्फ उन स्थानीय निकायों के लिए ही उपयोगी है जिनकी जनसंख्या सन् 1991 की जनगणना के अनुसार 5 लाख से कम है। इस कार्यक्रम के अर्न्तगत सामाग्री एवं मजदूरी का अनुपात 60:40 को होगा एवं लाभार्थियों की न्यूनतम मजदूरी की दर से मजदूरी उपलब्ध कराई जाएगी।
4	**योजना के मुख्य बिन्दु**	शहर मे गरीबी रेखा सके नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारो का चिन्हिकरण चिन्हित परिवार को पड़ौस समूह, परिवेश समिति, एवं सामुदायिक विकास समिति के रूप मे संगठित करना। इन समूहों को रोजगार से जोड़ना इस तरह महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के उद्देश्य से इस योजना अन्तर्गत उन्हें पड़ोस समूह, पड़ोस विकास समिति तथा सामुदायिक विकास समिति के रूप मे संगठित कर विभिन्न माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाते हैं।